नोएडा > बुधवार, 18 नवंबर 2020 > कार्तिक 27 शक संवत 1942 कार्तिक शुक्ल चतुर्थी विक्रम संवत 2077

YOUNG INDIA > YOUNG PAPER

पेज 16* > मूल्य 3.00 या 7.00* रुपये द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित

www.nbt.in

NBT नवभारत टाइम्स

‘पाकिस्तानी सेना का अल कायदा से था नाता’

▸p11

नवभारत GOLD लाए हैं HAPPYTIMES
सुनो, खेलो, जीतो
नीचे पूछे गए दोनों सवालों के सही जवाब दें और हर दिन, हर हफ्ते जीतें शानदार इनाम। रोजाना 1500 विजेता जीतेंगे 100 TIMESPOINTS. 50 वीकली विजेताओं को मिलेगा 500 रुपये का Paytm कैशबैक।
दोनों सवालों के सही जवाब ढूंढने के लिए अभी लॉग इन करें www.navbharatgold.com पर।
प्रतियोगिता में सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक हिस्सा ले सकते हैं।
* नियम व शर्तें लागू, www.navbharatgold.com

लॉगइन कैसे करें? ■ मेन्यू पर जाएं ■'लॉगइन' पर क्लिक करें ■ ईमेल, फेसबुक या मोबाइल नंबर से एक्टिवेट करें

NBT में विज्ञापन देने के लिए 1800 120 5474 पर कॉल करें। अखबार की अपनी कॉपी प्राप्त करने के लिए कॉल करें 1800 1200 004 या जाएं subscribe.timesgroup.com पर

आज के लिए HAPPY TIMES > Q1 संजय गांधी का प्लेन कब क्रैश हुआ था? > सुनो > Q2 संजय गांधी का सबसे बड़ा शौक क्या था? > खेलो > क्विज में हिस्सा लेने के लिए www.navbharatgold.com पर जाएं और Happy Times बैनर पर क्लिक करें। > जीतो

फिल्म सिटी की पटकथा लिखने आईं 9 कंपनियां

आज प्री-बिड मीटिंग में साफ होगी परियोजना की तस्वीर

■ **विशेष संवाददाता, ग्रेटर नोएडा**

यमुना अथॉरिटी एरिया में फिल्म सिटी की पटकथा लिखने के लिए देश-विदेश की 9 कंपनियां सामने आई हैं। इन कंपनियों के साथ बुधवार को यमुना अथॉरिटी में प्री-बिड मीटिंग होगी। यमुना अथॉरिटी के अधिकारी मीटिंग में परियोजना के बारे में जानकारी देंगे। इसमें बताया जाएगा कि फिल्म सिटी में क्या-क्या सुविधाओं का प्रावधान किया जाना है। यहां फिल्म निर्माण, शिक्षा और पर्यटन को फोकस करते हुए डीपीआर तैयार कराने की योजना है। उम्मीद है कि 25 नवंबर को बिड ओपन कर इनमें से एक कंपनी को चुन लिया जाएगा। उसके बाद निर्माण का मॉडल भी तय हो जाएगा।

फिल्म सिटी बसाने के लिए अथॉरिटी डीपीआर तैयार कराएगी। इसमें फिल्म सिटी का पूरा खाका तैयार होगा। इसके लिए 29 अक्टूबर को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जारी किया गया था। चुनी गई कंपनी ही बताएगी कि किस फाइनैंशल मॉडल पर फिल्म सिटी का निर्माण किया जाए और इसमें क्या-क्या प्रावधान होंगे। सूत्रों के अनुसार यमुना डीपीआर तैयार करने के लिए देसी-विदेशी 9 कंपनियां सामने आई हैं।

विदेशों की कंपनियों ने विश्व स्तर की फिल्म सिटी तैयार करने में अपनी विशेषज्ञता बताई है। देश की कई नामी कंपनियों ने भी अपने दावे दिए हैं। परियोजना के संबंध में इन कंपनियों को अथॉरिटी की ओर से पूरी जानकारी दी जाएगी। इसके आधार पर ही डीपीआर तैयार होगी। देश-विदेश की टॉप फिल्म सिटी वाली सुविधाएं दी जानी है। एक ही स्थान पर फिल्म निर्माण से जुड़ी सभी सुविधाएं होंगी। पर्यटन, विभिन्न स्टूडियो, सेट, बैकलॉग व अन्य सेवाओं का प्रावधान होगा। फिल्मों से जुड़े पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां पार्क, लैंडस्केप, रिक्रेएशन सेंटर, अम्यूजमेंट पार्क, स्टैच्यू, रेस्तरां, शॉपिंग सेंटर और सड़कें आदि का प्रावधान किया जाएगा।

जल्द तैयार होगी डीपीआर

25 नवंबर को यमुना अथॉरिटी अपनी फाइनैंशल बिड खोलेगी। उसी दिन इनमें से एक कंपनी का चयन कर लिया जाएगा। फरवरी तक रिपोर्ट तैयार करनी होगी। डीपीआर को शासन से हरी झंडी मिलने के बाद परियोजना पर काम शुरू होगा। यमुना अथॉरिटी के सेक्टर 21 में एक हजार एकड़ जमीन पर फिल्म सिटी बसाई जाएगी। प्रदेश सरकार की ओर से यमुना अथॉरिटी को फिल्म सिटी की डीपीआर जल्द से जल्द तैयार कराने का निर्देश दिया गया है। डीपीआर से ही पता चलेगा कि इसका निर्माण पीपीपी मॉडल पर करें या अथॉरिटी खुद इसे बसाए।

फिल्म यूनिवर्सिटी की है योजना

फिल्म प्रॉडक्शन और फिल्म टूरिजम को ध्यान में रखकर मास्टरप्लान तैयार कराया जाना है। इसमें सीखने और मनोरंजन का मेल होगा। फिल्म यूनिवर्सिटी बनाने की भी योजना है। रिपोर्ट में परियोजना की अनुमानित लागत, दुनिया भर में मौजूद फिल्म सिटी का तुलनात्मक अध्ययन, फिल्म सिटी विकसित करने के लिए श्रेष्ठ मॉडल का सुझाव, टूरिस्ट की अनुमानित संख्या, हर साल शूटिंग की अनुमानित संख्या, इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत और फिल्मकारों की जरूरतों के बारे में जानकारी शामिल करनी होगी।

यीडा सिटी में 300 एकड़ में बसेगा फर्नीचर पार्क

■ **विशेष संवाददाता, ग्रेटर नोएडा**

■ योजना को नए साल में लॉन्च करने की तैयारी
■ सभी तरह के फर्नीचर बनाने वाली कंपनियों को लाने की है योजना

यमुना अथॉरिटी एरिया में फर्नीचर पार्क बनाने की योजना बनाई गई है। यहां सभी तरह के फर्नीचर बनाने वाले उद्योग लग सकेंगे। इसे यीडा सिटी के सेक्टर 28 व 29 में बसाया जाएगा। यह करीब 300 एकड़ जमीन पर बसेगा। यमुना अथॉरिटी के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि फर्नीचर पार्क की योजना को नए साल में लॉन्च करने की तैयारी है। इन्हीं सेक्टरों में हैंडिक्राफ्ट पार्क भी है। ऐसे में दोनों तरह के उद्योगों को एक-दूसरे से फायदा होगा। फर्नीचर को खासतौर पर यूएएस और फ्रांस में निर्यात अधिक किया जाता है। एयरपोर्ट बनने के बाद निर्यात में भी आसानी रहेगी। फर्नीचर पार्क में सहारनपुर और बरेली जैसी जगहों के हुनरमंद कारीगरों को लाया जाएगा।

फर्नीचर उद्योग को मिलेगा बढ़ावा : अथॉरिटी के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने कहा है कि यीडा सिटी में खासतौर पर फर्नीचर से संबंधित उद्योगों के लिए एरिया रिजर्व किया जाएगा। इसे फर्नीचर पार्क का नाम दिया जाएगा। एक ही स्थान पर फर्नीचर बनाने वाली 100 से 200 तक कंपनियां लग सकेंगी। सभी अपने उत्पाद एक ही स्थान पर दिखा सकेंगी। इन कंपनियों को देश-विदेश से ऑर्डर मिल सकेंगे। एयरपोर्ट के निकट ही ये पार्क विकसित होगा। लिहाजा माल को देश-विदेश भेजने में कोई दिक्कत नहीं आएगी।